Ambe Tu Hai Jagdambe Kali Aarti

अम्बे तू है जगदम्बे काली आरती

अम्बे तू है जगदम्बे काली,जय दुर्गे खप्पर वाली,तेर ही गुण गायें भारती,ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती ।

माता तेरे भक्त जानो पर भीड़ पड़ी है भारी,दानव दल पर टूट पड़ो माँ कर के सिंह सवारी ।सो सो सिंघो से बलशाली,अष्ट भुजाओं वाली,दुखिओं के दुखड़े निवारती । औ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।

अम्बे तू है जगदम्बे काली,जय दुर्गे खप्पर वाली,तेर ही गुण गायें भारती,ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती ।

माँ बेटे की है इस जग में बड़ा ही निर्मल नाता,पूत कपूत सुने है पर ना माता सुनी कुमाता ।सबपे करुणा दर्शाने वाली,अमृत बरसाने वाली,दुखिओं के दुखड़े निवारती ।

माता तेरे भक्त जानो पर भीड़ पड़ी है भारी,दानव दल पर टूट पड़ो माँ कर के सिंह सवारी ।सो सो सिंघो से बलशाली,अष्ट भुजाओं वाली,दुखिओं के दुखड़े निवारती । औ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।

अम्बे तू है जगदम्बे काली,जय दुर्गे खप्पर वाली,तेर ही गुण गायें भारती,ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती ।

नहीं मांगते धन और दौलत ना चांदी ना सोना,हम तो मांगे माँ तेरे मन में एक छोटा सा कोना ।सब की बिगड़ी बनाने वाली,लाज बचाने वाली,सतिओं के सत को सवारती ।

माता तेरे भक्त जानो पर भीड़ पड़ी है भारी,दानव दल पर टूट पड़ो माँ कर के सिंह सवारी ।सो सो सिंघो से बलशाली,अष्ट भुजाओं वाली,दुखिओं के दुखड़े निवारती ।औ मैया हम सब उतारे तेरी आरती।

अम्बे तू है जगदम्बे काली,जय दुर्गे खप्पर वाली,तेर ही गुण गायें भारती,ओ मैया हम सब उतारे तेरी आरती ।